अब, तुम्हारे हवाले वतन साथियों ! 2017 संकलन : शशिकांत कदम / शब्दांकन तथा संपादन : डॉ. पद्मा पाटील

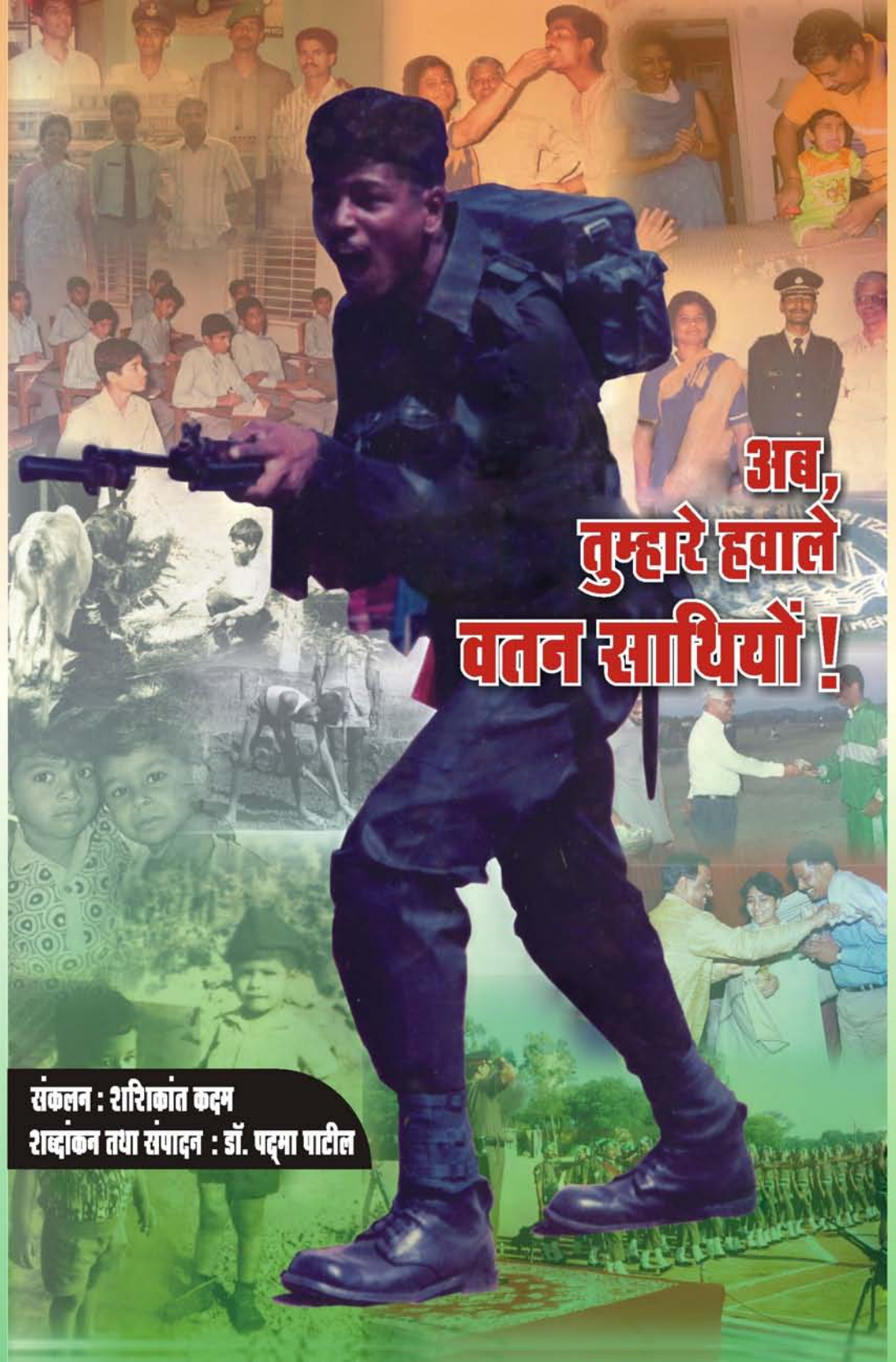

'लेफ्टनंट कर्नल शहीद मनीष कदम (कीर्तिचक्र) फाऊंडेशन' की स्थापना के पीछे श्री. शशिकांत कदम तथा श्रीमती शुभदा कदम अर्थात् लेफ्टनंट कर्नल मनीष कदम के विचारशील त्यागी तथा कर्मठ माता-पिता हैं। उनके एकमात्र सुपुत्र लेफ्टनंट कर्नल मनीष लष्कर ए तोयबा के दहशतवादियों के साथ संघर्ष करते हुए 16 मार्च 2008 को शहीद हुए। अपनी मुहिम के दरमियान उनका ध्यान प्राय: स्थानीय लोगों की सुरक्षा तथा उनके मानव अधिकारों की सुरक्षा में रहता था । लेफ्टनंट कर्नल मनीष कदम के शहीद होने के उपरांत श्री.शशिकांत कदम जी ने 'लेफ्टनंट कर्नल मनीष कदम (कीर्तिचक्र) फाऊंडेशन' की स्थापना की। इस संस्था द्वारा भारतीय सैन्यदल, हवाईदल, नौदल जैसे सुरक्षा खातों में सक्षम अधिकारी बनने में मार्गदर्शन किया जा रहा है । सिंधुदुर्ग जिले में इस तरह का मार्गदर्शन करनेवाली यह पहली संस्था है ।

सम्पर्क

लेफ्टनंट कर्नल
शहीद मनीष कदम (कीर्तिचक्र) फाऊंडेशन

द्वारा

श्री. शशिकांत विष्णु कदम

पडवे,तहसिल कुडाळ,
जिला सिंधुदुर्ग महाराष्ट्र : भारत
भ्रमणध्वनि : 9422434893

डॉ. पद्मा पाटील

- **सम्प्रति : प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,** हिंदी विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
  संचालक, वि. स. खांडेकर स्मृति संग्रहालय, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
  अध्यक्ष, पश्चिम महाराष्ट्र महिला हिंदी विद्यापीठ, कोल्हापुर
- **अध्यापन अनुभव :** 28 वर्षे, अनुसंधान अनुभव : 30 वर्षे, यु.जी.सी. बृहत तथा लघुशोध परियोजनाएँ : 7
- **पुस्तक प्रकाशन :** 36 समीक्षात्मक, सृजनात्मक, अनूदित तथा संपादित
- **शोध निबंध प्रकाशन :** 100 से अधिक, परिषद तथा संगोष्ठी में शोध निबंध प्रस्तुति : 75 से अधिक
- **शोध निर्देशन :** पीएच.डी. तथा एम.फिल. के अनेक छात्रों को शोध निर्देशन
- **संसाधन विशेषज्ञ : अंतर्राष्ट्रीय**
  - सबरगमुवा विश्वविद्यालय, बेलीहुलओया, श्रीलंका ।
  - भारतीय विद्या संस्थान, त्रिनिदाद एण्ड टोबॅगो, वेस्ट इंडीज ।
  - तुरिन विश्वविद्यालय, तुरिन, इटली।
- **पुरस्कार/सम्मान : अनेक**
  - साहित्य, कला के क्षेत्र में किए कार्य पर विक्रमशिला विश्वविद्यालय, कुशीनगर द्वारा डी.लिट. (मानद) उपाधि से सम्मानित, मई 1998
  - त्रिनिदाद हिंदी अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मान, त्रिनिदाद एण्ड टोबॅगो, वेस्ट इंडीज, अगस्त, 2011, $ 1000
  - हिंदीतर भाषी हिंदी लेखक पुरस्कार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली 2012, रु. 1,00,000/-

"कश्मीर के जन सामान्यों के 'मानव अधिकार' और 'मानव मूल्यों' के प्रति जिसके मन तथा मस्तिष्क में अंत:स्तल से सजगता एवं आत्मीयता थी, ऐसे भारत भूमि के वीर योद्धा ने कश्मीर की भूमि पर आतंकवादियों के साथ के संघर्ष के समय अंतिम सांस ली । यह महान सेनानी समय के चलते विस्मृति में नहीं जाना चाहिए। लगता है कि कश्मीर के खत्म न होनेवाले आतंकवादी संघर्ष में ऐसे मनीषों जैसे वीरों का बलिदान न हों ।"

अब,
तुम्हारे हवाले वतन साथियों !

संकलन : *शशिकांत कदम*

शब्दांकन तथा संपादन : *डॉ. पद्मा पाटील*

अब, तुम्हारे हवाले वतन साथियों !

ISBN : 978-81-933359-5-6

शब्दांकन तथा संपादन :
डॉ. पद्मा पाटील
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
भ्रमणध्वनि : 9823077769

नॉट–नल : ई–लायब्ररी संगठन, लखनौ द्वारा ऑनलाइन प्रकाशन
नीलाभ श्रीवास्तव, संस्थापक तथा प्रधान कार्यकारी अधिकारी

प्रकाशक :
© ले. कर्नल शहीद मनीष कदम फाउंडेशन,
द्वारा : श्री. शशिकांत विष्णु कदम
पडवे, तहसील कुडाळ, जि. सिंधुदुर्ग 416534
महाराष्ट्र, भारत

प्रथम संस्करण : 2017

आवरण तथा आंतरिक सज्जा संयोजन : पद्मा

मूल्य : रु. 500/-

मुद्रक : भारती मुद्रणालय, शाहुपुरी, कोल्हापुर,
महाराष्ट्र : भारत
भ्रमणध्वनि : 9011169691

अब, तुम्हारे हवाले वतन साथियों !

अर्पणपत्रिका

के प्रति,

उन सभी ज्ञात/अज्ञात वीरों की पवित्र स्मृति में, जिन्होंने दीर्घकाल की गुलामी से मातृभूमि को स्वतंत्रता प्रदान करने हेतु प्राणों की बाजी लगा दी, प्राण नौछावर किए, वन्दे मातरम् के जयघोष में फांसी के फन्दे पर झूलना पसंद किया। साथ ही स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद मातृभूमि पर हुए अलग–अलग समय पर आक्रमणों में जिन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया उन सभी की स्मृति में। इ. 1948 ई. में पाकिस्तानों द्वारा कश्मीर पर हुआ आक्रमण, 1961 ई. चीन का आक्रमण, 1965 ई. पाकिस्तान का भारत पर हुआ आक्रमण, 1971 ई. में पाकिस्तान की हुई घुसपैठ (बांगला देश) एवं 1999 ई. हुआ कारगिल युद्ध और कश्मीर की रक्षा हेतु जिन अनगितन सैनिकों ने बलिदान दिया उनकी पवित्र स्मृति में !

◇◇◇

मेरा भारत महान

मेरा भारत देश महान।
हम सबको रहे अभिमान ।
यह मातृभूमि है संतों की
यह मातृभूमि है, युगपुरुषों की ।
खिलते हैं फूल यहाँ शांति के
सभ्यता एवं भाइचारे के ।
फूल है यह फूलों से न्यारा
रंग है इसका तिरंगा प्यारा ।
विविधता में रहे एकता
सबसे बडी है इसकी महानता ।
धर्म कितने भी अनेक हों
हम सब एक हैं ।
चाहे सिक्ख हों या इसाई
चाहे हिंदू हों या मुसलमान ।
अद्‌भुत संस्कृति है इसकी शान
उँचे स्वर्ण इतिहास की दास्तान ।
उठे हर एक के दिल में मुस्कान
प्रेम भाव से कहे इन सबकी जुबान।
मेरा तुझे सलाम मेरे हिंदुस्थान
दुनिया में उँचा रहेगा तेरा नाम।।
मेरा भारत देश महान
हम सबको रहे अभिमान।।

– आनंद खोंगे

(निरीक्षक, विश्वस्त आयोग, सिंधुदुर्ग)

◇◇◇

शहीद ले. कर्नल मनीषराव शशिकांत कदम

जन्म : बुधवार, दिनांक 18 मार्च, 1970
सुबह 4 बजकर 35 मिनट में
सौर फाल्गुन 27, शके 1891

सू.न.	उत्तरा	भाद्रपदा	चं. न. पुष्य
2.3	6.46	2. अ	6.48

18 मार्च, 1970 को 'दैनिक महाराष्ट्र टाईम्स'
में प्रकाशित 'जन्म भविष्य'

''आज की ग्रहस्थिति में एक अलग ही सामर्थ्य है कि ऐसी ग्रहस्थिति प्राप्त हुए बालक का जीवन अंतरराष्ट्रीय कीर्ति का होगा। (वह) कलाकार होगा।''